

## चमकम्

РУДРАМ. ЧАМАКАМ

### Анувака 4

ऊर्क्च॑ मे सू॒नृता॑ च मे पय॑श्च मे रस॑श्च मे घृ॒तं च॑ मे मधु॑ च मे सग्धि॑श्च मे  
सपी॑तिश्च मे कृ॒षिश्च॑ मे वृ॒ष्टिश्च॑ मे जैत्रं॑ च म॒ औद्भि॑द्यं च मे र॒यिश्च॑ मे  
राय॑श्च मे पु॒ष्टं च॑ मे पु॒ष्टिश्च॑ मे वि॒भु च॑ मे प्र॒भु च॑ मे ॥८॥



у́ркча́ ме сӯнри́та ча ме пая́щча ме раса́щча ме гхри́там ча ме мадху́ ча ме  
сагдхи́щча ме сапй́тищча ме кри́шищча́ ме ври́штищча ме джяитра́м са ма  
аудбхи́дьям ча ме райи́щча́ ме ра́йщча ме пушта́м ча ме пу́штищча ме ви́бху  
ча́ ме и пра́бху ча́ ме ॥ 8 ॥

Да наделит меня Господь пищей, молоком, сладкими соками, маслом и мёдом. Да буду я встречать повсюду доброжелательность и гостеприимство. Да сопутствует мне удача, чтобы я мог всегда вкушать пищу и пить в хорошей компании. Да буду я благословлён успехом в сельскохозяйственной деятельности, обильными и своевременными дождями, плодородными полями, а также зелёным богатством деревьев и растений на моей земле. Да обрету я золото и драгоценные камни. Да обрету я детей и родственников, наделяющих чувством безопасности и спокойствия. Да будет моё тело сильным и упитанным.

ऊर्क्च॑ मे सू॒नृता॑ च मे पय॑श्च मे रस॑श्च मे



у́ркча́ ме сӯнри́та ча ме пая́щча ме раса́щча ме

घृ॒तं च॑ मे मधु॑ च मे सग्धि॑श्च मे सपी॑तिश्च मे



гхри́там ча́ ме мадху́ ча ме сагдхи́щча ме сапй́тищча ме



कृषिश्च मे वृष्टिश्च मे जैत्रं च म औद्भिद्यं च मे

кришищча ме вриштищча ме джяитра̎м са ма̎ аудбхидья̎м ча ме



रयिश्च मे रायश्च मे पुष्टं च मे

райищча̎ ме ра̎ящча ме пушта̎м ча̎ ме



पुष्टिश्च मे विभु च मे प्रभु च मे

пуштищча̎ ме ви̎бху ча̎ ме и пра̎бху ча̎ ме

बहु च मे भूयश्च मे पूर्णं च मे पूर्णतरं च मेऽक्षितिश्च मे कूयवाश्च मेऽन्नं च  
मेऽक्षुच्च मे व्रीहयश्च मे यवाश्च मे माषाश्च मे तिलाश्च मे मुद्गाश्च मे खल्वाश्च  
मे गोधूमाश्च मे मसुराश्च मे प्रियंगवश्च मेऽणवश्च मे श्यामाकाश्च मे  
नीवाराश्च मे ॥९॥



ба̎ху ча̎ ме̎ бх̎у̎я̎щча ме̎ п̎у̎рна̎м ча̎ ме̎ п̎у̎рна̎та̎ра̎м ча̎ ме̎ к̎ш̎и̎ти̎щча ме̎  
к̎у̎я̎ва̎щча ме̎ н̎на̎м ча̎ ме̎ к̎ш̎у̎чча ме̎ в̎ри̎ха̎я̎щча ме̎ я̎ва̎щча ме̎ ма̎ша̎я̎щча ме̎  
ти̎ла̎я̎щча ме̎ му̎дга̎я̎щча̎ ме̎ к̎ха̎ль̎ва̎я̎щча ме̎ го̎дх̎у̎ма̎я̎щча ме̎ ма̎су̎ра̎я̎щча ме̎  
при̎ян̎га̎ва̎щча̎ ме̎ на̎ва̎щча ме̎ шы̎я̎ма̎ка̎я̎щча ме̎ ни̎ва̎ра̎я̎щча ме̎ ॥९॥

Да обрету я дар изобилия во всех видах зерновых, проса и кукурузы. Да будет мой запас пищи и зерна неистощимым. Да не испытаю я никогда голод от недостатка пищи. Да буду я наделён рисом, ячменём, различными видами гороха, просом, пшеницей, кунжутом, касторовыми семенами и дикими лесными злаками в изобилии.



बहु च मे भूयश्च मे पूर्णं च मे

ба̎ху ча̎ ме̎ бх̎у̎я̎щча ме̎ п̎у̎рна̎м ча̎ ме̎



पूर्णतरं च मेऽक्षितिश्च मे

п̎у̎рна̎ता̎ра̎м ча̎ ме̎ к̎ш̎и̎ти̎щча मे̎



कूय॑वाश्च॒ मेऽन्नं॑ च॒ मेऽक्षु॑च्च॒ मे

कू॒य॑वा॒श्च॒ मे न्न॑ं च॒ मे क्षु॑च॒ मे



व्री॒हय॑श्च॒ मे यवा॑श्च॒ मे मा॒षा॑श्च॒ मे ति॒ला॑श्च॒ मे

व्री॒ह॑या॒श्च॒ मे य॒वा॑श्च॒ मे मा॒षा॑श्च॒ मे ति॒ला॑श्च॒ मे



मु॒द्राश्च॑ मे॒ ख॒ल्वा॑श्च॒ मे गो॒धूमा॑श्च॒ मे म॒सुरा॑श्च॒ मे

मु॒द्रा॑श्च॒ मे ख॒ल्वा॑श्च॒ मे गो॒धू॒मा॑श्च॒ मे म॒सुरा॑श्च॒ मे



प्रि॒यंग॑वश्च॒ मेऽण॑वश्च॒ मे श्या॒माका॑श्च॒ मे नी॒वारा॑श्च॒ मे

प्रि॒य॒ंग॒वा॒श्च॒ मे ऽ॒ण॒वा॒श्च॒ मे श्या॒मा॒का॑श्च॒ मे नी॒वा॒रा॑श्च॒ मे